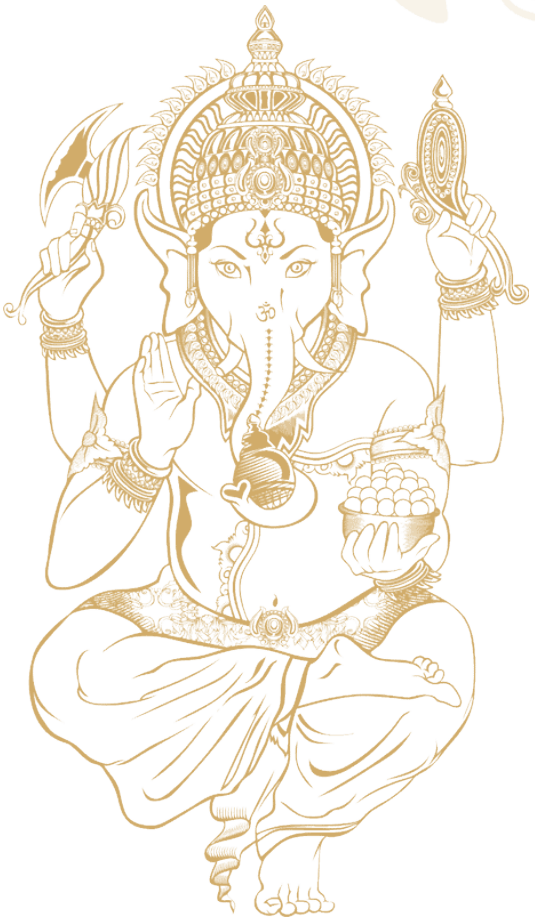

????

19 Apr 1994

07:40 PM

Pithoragarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121795103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/04/1994**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**19:40:00 घंटे**
इष्ट	35:01:40 घटी
स्थान	**Pithoragarh**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:35:00 उत्तर
रेखांश	80:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:30:48 घंटे
वेलान्तर	00:00:48 घंटे
साम्पातिक काल	09:20:35 घंटे
सूर्योदय	05:39:19 घंटे
सूर्यास्त	18:38:00 घंटे
दिनमान	12:58:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	05:30:34 मेष
लग्न के अंश	19:33:10 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शूल
करण	बव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	19:33:10	306:20:14	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
सूर्य			मेष	05:30:34	00:58:36	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	11:22:12	13:12:22	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	स्वराशि
मंगल			मीन	09:58:30	00:46:30	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	मीन	23:54:13	01:54:53	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	नीच राशि
गुरु	व		तुला	17:21:42	00:07:20	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	28:04:05	01:13:23	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
शनि			कुंभ	15:24:53	00:05:32	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	01:33:54	00:03:11	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	01:33:54	00:03:11	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	सम राशि
हर्ष			मक	02:30:33	00:00:34	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:33:34	00:00:12	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	03:39:21	00:01:24	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कर्क	23:55:31	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:52

लग्न-चलित

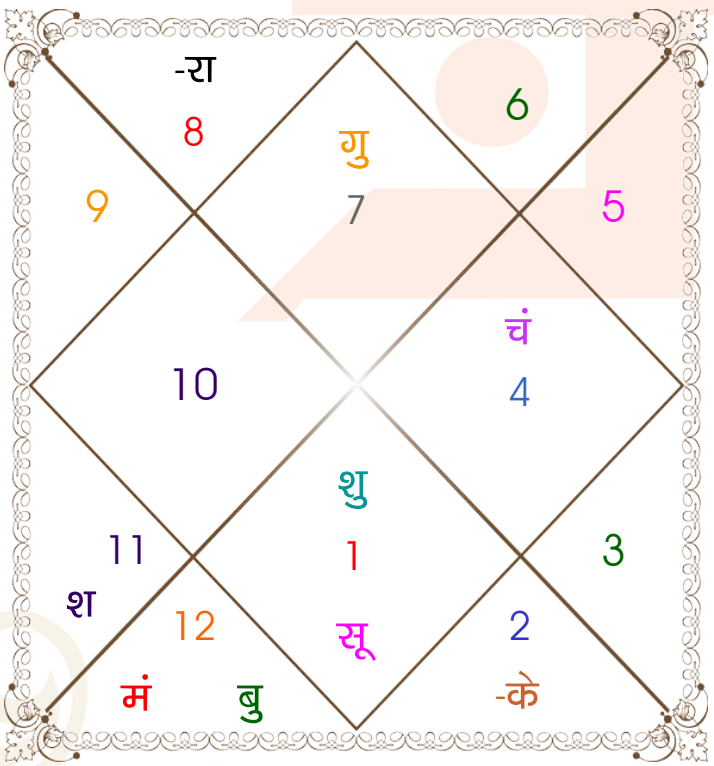

चन्द्र कुंडली

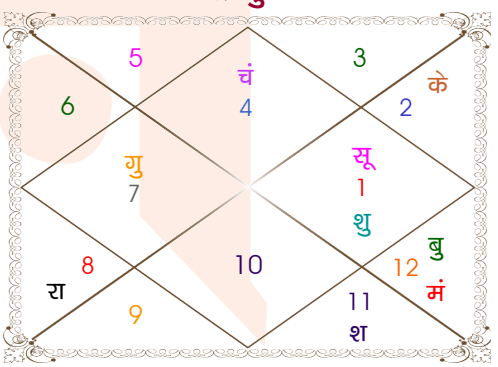

नवमांश कुंडली

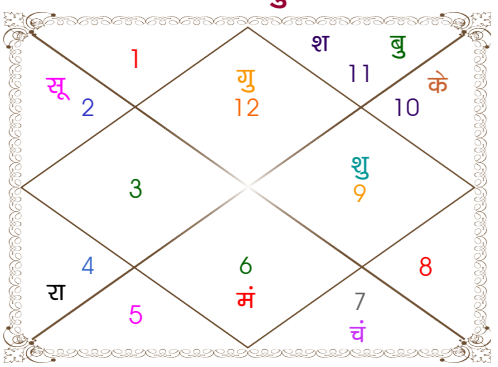

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 7 वर्ष 6 मास 17 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/04/1994		05/11/2001		05/11/2018		05/11/2025		05/11/2045	
05/11/2001		05/11/2018		05/11/2025		05/11/2045		06/11/2051	
	00/00/0000	बुध	03/04/2004	केतु	03/04/2019	शुक्र	07/03/2029	सूर्य	23/02/2046
	00/00/0000	केतु	31/03/2005	शुक्र	03/06/2020	सूर्य	07/03/2030	चंद्र	24/08/2046
	00/00/0000	शुक्र	30/01/2008	सूर्य	08/10/2020	चंद्र	06/11/2031	मंगल	30/12/2046
	00/00/0000	सूर्य	05/12/2008	चंद्र	10/05/2021	मंगल	05/01/2033	राहु	24/11/2047
	19/04/1994	चंद्र	07/05/2010	मंगल	06/10/2021	राहु	05/01/2036	गुरु	11/09/2048
चंद्र	10/05/1995	मंगल	04/05/2011	राहु	24/10/2022	गुरु	05/09/2038	शनि	24/08/2049
मंगल	18/06/1996	राहु	20/11/2013	गुरु	30/09/2023	शनि	05/11/2041	बुध	01/07/2050
राहु	25/04/1999	गुरु	26/02/2016	शनि	08/11/2024	बुध	05/09/2044	केतु	05/11/2050
गुरु	05/11/2001	शनि	05/11/2018	बुध	05/11/2025	केतु	05/11/2045	शुक्र	06/11/2051

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/11/2051		05/11/2061		05/11/2068		05/11/2086		06/11/2102	
05/11/2061		05/11/2068		05/11/2086		06/11/2102		00/00/0000	
चंद्र	05/09/2052	मंगल	03/04/2062	राहु	19/07/2071	गुरु	24/12/2088	शनि	09/11/2105
मंगल	06/04/2053	राहु	22/04/2063	गुरु	12/12/2073	शनि	07/07/2091	बुध	19/07/2108
राहु	06/10/2054	गुरु	28/03/2064	शनि	18/10/2076	बुध	12/10/2093	केतु	28/08/2109
गुरु	05/02/2056	शनि	06/05/2065	बुध	07/05/2079	केतु	18/09/2094	शुक्र	28/10/2112
शनि	05/09/2057	बुध	04/05/2066	केतु	24/05/2080	शुक्र	19/05/2097	सूर्य	10/10/2113
बुध	05/02/2059	केतु	30/09/2066	शुक्र	25/05/2083	सूर्य	07/03/2098	चंद्र	20/04/2114
केतु	06/09/2059	शुक्र	30/11/2067	सूर्य	18/04/2084	चंद्र	07/07/2099		00/00/0000
शुक्र	06/05/2061	सूर्य	06/04/2068	चंद्र	18/10/2085	मंगल	13/06/2100		00/00/0000
सूर्य	05/11/2061	चंद्र	05/11/2068	मंगल	05/11/2086	राहु	06/11/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 7 वर्ष 5 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।